THE PIONEER PAGE 3

Varsity all set to bring new PhD ordinance

Lucknow (PNS): Having received the nod from Governor Anandiben Patel, the University of Lucknow is all set to bring changes in the PhD ordinance in the coming session. Vice-Chancellor Prof AK Rai said the changes made in the ordinance are scholar-friendly and research-friendly. "Scholar-friendly means that it will augment the research inputs as the attendance of research scholars will be compulsory and their benefits will be linked to it. For monitoring of the research content, we will have a Research Progress Committee that will meet every six months," he explained.

"In many cases, we have empowered the heads of departments to opt for external experts suiting the topics. The candidates will have to make at least two presentations. The first presentation will be made after finalising the topic and it will be a type of research plan presentation to be attended by all the research scholars and faculty members and their suggestions will also be invited," he said.

DSW Poonam Tandon said that the new ordinance is student-friendly as it allows a part-time PhD programme which people doing jobs can pursue. Dean (Research), Lucknow University, Dr Monisha Banerjee said that under the new ordinance, the PhD programme will be under two categories. "There will be full-time and part-time PhD programmes. The part-time programme will be super numeric, which means that the number of these candidates will not be counted. Students will be enrolled under the supervision of professors and associate professors only, and enrollment of only one part-time research scholar will be allowed under a faculty in an academic year," she said.

She added that a candidate will be considered as a part-time research scholar if he or she is employed and has submitted an NOC issued by heads of respective workplaces.

i-NEXT PAGE 4

बीएजेएमसी, एमएजेएमसी केंद्र तय

LUCKNOW : एलयू ने बीएजेएमसी और एमएजेएमसी परीक्षाओं के लिए केंद्रों का निर्धारण कर दिया. परीक्षाओं के लिए दो केंद्र बनाए गए हैं. यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि यूनिवर्सिटी एवं सभी संबद्ध महाविद्यालयों के एमएजेएमएसी के छात्र-छात्राएं एलयू में परीक्षा देंगे. वहीं सभी संबद्ध के बीएजेएमसी के छात्र.छात्राएं का केंद्र अलीगंज स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस महिला महाविद्यालय को बनाया गया है. वहीं यूनिवर्सिटी प्रशासन ने प्रो. बीडी सिंह को जानकीपुरम स्थित न्यू कैंपस का नया डायरेक्टर बनाया है. प्रो. आनंद कुमार विश्वकर्मा को डायरेक्टर लीगल सेल नामित किया है.

बीएड के लिए आवेदन 18 से

लखनऊ यूनिवर्सिटी संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइनआवेदन की प्रक्रिया 18 फरवरी से शुरू करेगा. आवेदन का मौका 15 मार्च तक रहेगा. एक-दो दिन में विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे. इस बार एलयू को दोबारा संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराए जाने की जिम्मेदारी मिली है. राज्य समन्वयक प्रो. अमित बाजपेई ने बताया कि 19 मई को प्रवेश परीक्षा कराए जाने की तिथि प्रस्तावित है.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इधर, लविवि में रूस की मशीनें लगाएंगी अवसाद का पता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की हैप्पी थिंकिंग लैब में रूसी तकनीक की तीन मशीनें लगाई गई हैं। इन मशीनों से तनाव और अवसाद के स्तर का पता लगाया जा सकता है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर इसके समाधान के लिए सुझाव दिए जाएंगे। मनोविज्ञान विभाग में स्थापित इस हैप्पी थिंकिंग लैब में विद्यार्थियों का मनो-अध्यात्मिक विकास किया जाता है। यहां रूसी प्रौद्योगिकी पर आधारित तीन उपकरणों- बायोफीडबैक, बायो-वेल और कराडा स्कैन मशीन की स्थापना की गई है। मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान ने बताया कि लैब मशीन की सहायता से विद्यार्थी अपने मस्तिष्क में उठने वाले प्रत्येक विचार की शक्ति की पहचान करेंगे। नकारात्मक को सकारात्मक विचारों में बदलने पर काम होगा। विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवन जीने की कला, उल्लासपूर्ण और जीवन में टिकने वाली स्थायी हैप्पीनेस के टिप्स दिए जाएंगे।

तीन मशीनें विवि की हैप्पी थिंकिंग लैब में लाई गई

लैब में लगाई गई मशीन देखते शिक्षक।

शरीर के चक्र और स्वास्थ्य के विश्लेषण से बनती है रिपोर्ट

ये मशीनें किसी व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक विश्लेषण करती हैं। यह विश्लेषण मुख्य रूप से चक्रों और स्वास्थ्य संबंधी बिंदुओं पर आधारित होता है। चक्र प्राचीन भारतीय और चीनी ध्यान प्रथाओं में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न केंद्र बिंदु हैं। चक्र का अर्थ है डिस्क या पहिया जो शरीर में ऊर्जा केंद्रों का जिक्र करता है। चक्रों का संतुलन शारीरिक और भावनात्मक कल्याण के लिए बहुत जरूरी है।

राजधानी में इस तरह की पहली लैब

प्रो. मधुरिमा के अनुसार लखनऊ में किसी विश्वविद्यालय में यह अपनी तरह की पहली लैब होगी। गुजरात विवि में इस तरह की लैब स्थापित है। शांतिकुंज, विपश्यना ध्यान केंद्र, ब्रह्मकुमारी आदि में भी ऐसी लैब हैं।

सीबीसीएस में शुरू हुई चिंता प्रबंधन की पढ़ाई

लविवि में परास्नातक स्तर पर पूरी तरह से सीबीसीएस प्रणाली लागू हुई है। इसमें कई नए प्रश्नपत्रों की पढ़ाई भी होनी है। मनोविज्ञान विभाग ने इसको ध्यान में रखते हुए चिंता का प्रबंधन, संचार, कौशल सकारात्मक संवेगों का विकास, आत्म उन्नयन, सफल वृद्धावस्था, सकारात्मक जीवन, जीवन कौशल पर आधारित प्रश्नपत्रों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। एमए तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में ये प्रश्नपत्र पढ़ाई का हिस्सा होंगे।

न्यूनतम समान पाठ्यक्रम के लिए लविवि में समितियां बनीं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राज्य विश्वविद्यालयों में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू करने के लिए लविवि ने विभागों में सिलेबस तैयार करने के लिए समितियों का गठन कर दिया है। इन समितियों को अपने विभागों के लिए न्यूनतम समान पाठ्यक्रम के लिए सिलेबस तैयार करना है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों पर सुझाव दिए जाने के लिए हुई बैठक में दिए।

राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार सभी विवि में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू होना है। सभी विवि में हर विषय का पाठ्यक्रम 70 फीसदी एक समान व 30 फीसदी अलग-अलग होगा। विवि को अपने यहां पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों का 30 फीसदी सिलेबस तय करना है कि उसमें क्या पढ़ाया जाएगा।

■ राज्य सरकार की सूची में दिए गए विषय

मानवशास्त्र, सैन्य विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, ललित कला, भूगोल, प्राचीन इतिहास, आधुनिक एवं मध्यकालीन इतिहास, गृहविज्ञान, विधि, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजकार्य, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, उर्दू, कृषि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान, गणित, भौतिक शास्त्र, सांख्यिकी, जंतु विज्ञान, बीकॉम, बीएड।

■ छूटे विषयों के लिए भी न्यूनतम समान कोर्स

कुलपति ने बताया कि इन विषयों के अतिरिक्त कई ऐसे विषय हैं जो सूची में नहीं हैं, जबकि लविवि में उनकी पढ़ाई हो रही है। इनका पाठ्यक्रम भी सरकार की अनुमति के बाद इसे लागू किया जाएगा।

■ एमए व बीए जेएमसी के परीक्षा केंद्र घोषित

लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय की बीएजेएमसी एवं एमएजेएमसी की परीक्षा दो केंद्रों पर होगी। एमए जेएमसी की परीक्षा लविवि में और बीएजेएमसी की परीक्षा नेताजी सुभाष चंद बोस महाविद्यालय, अलीगंज में होगी।

■ एमए होमसाइंस कोर्स चलाने की मांग की

लविवि में एमए गृह विज्ञान पाठ्यक्रम में कुल सीट के मुकाबले 60 फीसदी दाखिले नहीं हो सके हैं। इसलिए कोर्स बंद होने जा रहा है। छात्रों ने 60 फीसदी सीट भरने की अनिवार्यता में छूट मांगी है। एमए गृहविज्ञान में 16 अभ्यर्थियों ने फीस जमा की है, जबकि कम से कम 18 दाखिले होने चाहिए।

प्रो. डीएनएस यादव का इस्तीफा मंजूर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रो. डीएनएस यादव का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। उन्होंने पिछले सप्ताह नए कैंपस निदेशक और डायरेक्टर लीगल सेल पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को प्रोफ़ेसर वीडी सिंह को न्यू कैंपस का निदेशक और डॉ. आनंद विश्वकर्मा को डायरेक्टर लीगल सेल बना दिया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू छह फरवरी तक तैयार करेगा समान पाठ्यक्रम

बैठक

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों पर सुझाव के सम्बंध में लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें एलयू के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक एवं प्रभारी शामिल हुए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सम्बंध में राज्य सरकार के निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालय एक कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम बनायेंगे। इस क्रम में एलयू के सभी विभागाध्यक्षों को कुलपति ने 6 फरवरी तक अपने-अपने विभाग की कमेटी की बैठक कर बेसिक स्ट्रक्चर के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार करने का निर्देश दिया है।

कुलपति ने कहा कि उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त जो विषय सूची में नहीं हैं और एलयू में अध्ययन/अध्यापन किया जा रहा है उनका पाठ्यक्रम भी तैयार कराकर राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

एलयू ने निर्धारित किए परीक्षा केंद्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने बीएजेएमसी तथा एमएजेएमसी की परीक्षा के लिए 2 परीक्षा केंद्र निर्धारित करदिए हैं। इसमें एमएजेएमसी की परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय में होगी। इसमें विश्वविद्यालय के अलावा अन्य सभी महाविद्यालयों के छात्र भी परीक्षा देंगे। जबकि बीएजेएमसी की परीक्षा नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय अलीगंज में होगी। इसमें सभी महाविद्यालयों के छात्र परीक्षा देंगे। यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने दी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

बीजेएमसी के दो केंद्र निर्धारित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पत्रकारिता कोर्स के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इसकी जानकारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने दी। उन्होंने बताया कि एमएजेएमसी की परीक्षाओं के लिए लविवि व संबद्ध महाविद्यालयों के लिए लविवि को और बीएजेएमसी समस्त सहयुक्त महाविद्यालयों के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय को केंद्र बनाया गया है।

प्रो. बीडी सिंह बने द्वितीय परिसर प्रभारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो. बीडी सिंह को कुलपति की संस्तुति पर द्वितीय परिसर का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्हें तीन वर्षों के लिए तैनात किया गया है। इसके अलावा विधि संकाय के प्रो. आनन्द कुमार विश्वकर्मा को लीगल सेल का प्रभारी बनाया गया है।

लविवि में नयी शिक्षा नीति के तहत तैयार होंगे कोर्स

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों पर सुझाव दिये जाने के विषय पर एक बैठक कुलपति की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक और प्रभारी में सम्मिलित हुये।

- छह तक विभागों को तैयार करना होगा कोर्स बुनियादी संरचना
- लविवि कुलपति ने बैठक जारी किए निर्देश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सम्बन्ध राज्य सरकार के निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालय एक कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम बनायेंगे और इस क्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि छह फरवरी तक वे अपने-अपने विभाग की कमेटी कर के बेसिक स्ट्रेक्चर के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार कर लें।

राज्य सरकार द्वारा दी गयी सूची में मानव शास्त्र, सैन्य विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, ललित कला, भूगोल, प्राचीन इतिहास, आधुनिक एवं मध्यकालीन इतिहास, गृह विज्ञान, विधि, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, समाज कार्य, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, कृषि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान, गणित, भौतिक शास्त्र, सांख्यिकी, जन्तु विज्ञान, बीकाम और बीएड का पाठ्यक्रम तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद कुलपति ने बताया कि यह विषयों के अतिरिक्त जो विषय सूची में नहीं हैं और लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन व अध्यापन किया जा रहा है उसका पाठ्यक्रम भी तैयार कराकर राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

TIMES OF INDIA PAGE 2

LU hostellers to get geysers, newspapers

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's Subhash hostel inmates' request for having geyser and newspaper facility in the hostel has been accepted by varsity officials during a 'samwad' held earlier this week.

As renovation work is going on in the Subhash hostel the inmates have been temporarily shifted to Lal Bahadur Shastri hostel. During the interaction, the hostel inmates said that the LBS hostel inmates on the first and the second floor get newspaper and geyser facility, while the Subhash hosteller shifted to the third-floor do not have such facilities. They requested the varsity to make available these facilities in Subhash hostel too. Their request was accepted by vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

The university would continue to conduct such interactions in regular intervals. Under the set practice, six students of a hostel interact with university officials to share problems being faced by them.

The students can also have a discussion on academics with senior LU officials.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन

स्वतंत्र भारत, संवाददाता लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सम्बन्ध राज्य सरकार के निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालय एक कॉमन मिनिमम पाठ्यक्रम बनायेंगे और इस क्रम में 2 फरवरी को कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि दिनांक 06 फरवरी, 2021 तक वे अपने-अपने विभाग की कमेटी कर के बेसिक स्ट्रेक्चर के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार कर लें। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक एवं प्रभारी में सम्मिलित हुए।

राज्य सरकार द्वारा दी गयी सूची में मानव शास्त्र, सैन्य विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, ललित कला, भूगोल, प्राचीन इतिहास, आधुनिक एवं मध्यकालीन इतिहास, गृह विज्ञान, विधि, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, समाज कार्य, समाजशास्त्र, अँग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, कृषि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान, गणित, भौतिक शास्त्र, सांख्यिकी, जन्तु विज्ञान, बीकाम और बीएड का पाठ्यक्रम तैयार करने का निर्देश दिया गया है। कुलपति ने बताया कि उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त जो विषय सूची में नहीं हैं और लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन/अध्यापन किया जा रहा है उसका पाठ्यक्रम भी तैयार कराकर राज्य सरकार के समक्ष जल्द ही प्रस्तुत किया जायेगा।